HindiDuas.org

अरबी हिंदी में पढ़ें	अनुवाद/मानी पढ़ें
रहिमकल्लाहु या अबल हसन कुन्त अव्वलल क़ौमि इस्लामन व अख़्लसहुम ईमानन व अशद्दहुम यक़ीनन व अख़्वफहुम लिल्लाह व अज़्महुम अनाअन व अह्वतहुम अला रसूलिल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व आलिही व आमनहुम अला अस्हाबिही व अफ़ज़लहुम मनाक़िब व अकरमहुम सवाबिक़ व अरफ़अहुम दरजतन व अक़्रबहुम मिन रसूलिल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व आलिही व अश्बहहुम बिही हदयन व ख़ुलुक़न व सम्तन व फ़िअलन व अश्रफहुम मन्ज़िलतन व अकरमहुम अलैहि फ़जज़ाकल्लाहु अनिल इस्लामि व अन रसूलिही व अनिल मुस्लिमीन ख़ैरन	अल्लाह तुम पर रहमत करे, ऐ अबुल हसन। तुम सबसे पहले इस्लाम क़ुबूल करने वाले और सबसे ज़्यादा सच्चे ईमान वाले थे। और तुम यक़ीन में सबसे मज़बूत और अल्लाह से सबसे ज़्यादा डरने वाले थे। और तुम सबसे ज़्यादा मुसीबतें उठाने वाले और रसूलुल्लाह ﷺ की सबसे ज़्यादा हिफ़ाज़त करने वाले थे। और तुम उनके साथियों के लिए सबसे ज़्यादा अमानतदार और ख़ूबियों में सबसे बेहतर थे। और तुम नेकियों में सबसे आगे और दर्जे में सबसे बुलंद थे। और तुम रसूलुल्लाह ﷺ के सबसे क़रीब थे। और तुम चाल-ढाल, अख़लाक़, आदत और अमल में उनसे सबसे ज़्यादा मिलते-जुलते थे। और तुम मक़ाम में सबसे शरीफ़ और उनके नज़दीक सबसे ज़्यादा इज़्ज़त वाले थे। तो अल्लाह तुम्हें इस्लाम, अपने रसूल और तमाम मुसलमानों की तरफ़ से बेहतरीन बदला अता करे। जब उनके साथी कमज़ोर पड़े, तब तुम मज़बूत बने। और जब उन्होंने सर झुका लिया, तब तुम आगे बढ़े।

क़वीत ह़ीना ज़अुफ़ अस्हाबुहू व बरज़्त ह़ीना इस्तकानू व नहज़्त ह़ीना वहनू व लज़िम्त मिनहाज रसूलिल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व आलिही इज़ हुम अस्हाबुहू व कुन्त ख़लीफ़तहू हक्क़न लम तुनाज़िअ व लम तुज़्रअ बिरुग़मिल मुनाफ़िक़ीन व ग़ैज़िल काफ़िरीन व कुरहिल हासिदीन व सिग़रिल फ़ासिक़ीन फ़क़ुम्त बिल अम्रि हीन फ़शिलू व नतक्त हीन तअतअऊ व मज़ैत बिनूरिल्लाह इज़ वक़फ़ू फ़त्तबऊका फ़हुदू व कुन्त अख़फ़ज़हुम सौतन व आ'लाहुम क़ुनूतन व अक़ल्लहुम कलामन व अस्वबहुम नुत्क़न व अकबरहुम रअयन व अश्जअहुम क़ल्बन	और जब वे हिम्मत हार गए, तब तुम डटकर खड़े हो गए। और तुम रसूलुल्लाह ﷺ के रास्ते पर डटे रहे, जब वही लोग उनके साथी कहलाते थे। और तुम सच में उनके सही जानशीन थे। न तुमने झगड़ा किया और न ही किसी से होड़ की। मुनाफ़िक़ों की मौजूदगी और काफ़िरों की जलन के बावजूद। और हसद करने वालों की दुश्मनी और बदकारों की जिल्लत के बावजूद। तो जब वे नाकाम हो गए, तुमने ज़िम्मेदारी सँभाल ली। और जब वे हक़ बोलने में लड़खड़ाए, तुमने सच बयान किया। और जब वे रुक गए, तुम अल्लाह के नूर के साथ आगे बढ़ते रहे। फिर जब उन्होंने तुम्हारा पीछा किया, तो हिदायत पा गए। तुम आवाज़ में सबसे धीमे और इबादत में सबसे बुलंद थे। तुम कम बोलते थे, लेकिन तुम्हारी बात सबसे ज़्यादा सही होती थी। तुम राय में सबसे बड़े और दिल के सबसे बहादुर थे। तुम यक़ीन में सबसे मज़बूत, अमल में सबसे बेहतर और मामलों को सबसे ज़्यादा जानने वाले थे।

व अशद्दहुम यक़ीनन व अहसनहुम अमलन व अ'रफ़हुम बिल उमूर कुन्त वल्लाहि यअसूबसन लिद्दीनि अव्वलन व आख़िरन अल अव्वल हीन तफ़र्रक़न नास वल आख़िर हीन फ़शिलू कुन्त लिल मोमिनीन अबन रहीमन इज़ सारू अलैका इयालन फ़हमल्त अस्क़ाल मा अनहु ज़अुफ़ू व हफ़िज़्त मा अज़ाऊ व रअय्त मा अह्मलू व शम्मर्त इज़ इज्तमऊ व अलौत इज़ हलअू व सबरता इज़ अस्रऊ व अदरकता अवतार मा तलभू व नालू बिका मा लम यहतसिबू कुन्ता अलल काफ़िरीन अज़ाबन सब्बन व नह्बन व लिल मोमिनीन अमदन व हिस्नन फ़ुतिरता वल्लाहि बिनअमाइहा व फ़ुज़्ता बिहबाइहा	ख़ुदा की क़सम, तुम शुरू से आख़िर तक दीन के सरदार रहे। जब लोग बिखर गए तब तुम सबसे पहले डटे रहे, और जब वे हार गए तब तुम आख़िरी तक क़ायम रहे। तुम मोमिनों के लिए मेहरबान बाप जैसे थे, जब वे तुम्हारे सहारे बन गए। तो तुमने वह बोझ उठाया जिसे उठाने की उनमें ताक़त न थी। और तुमने उसे संभाला जिसे उन्होंने खो दिया, और उसकी देखभाल की जिसे उन्होंने नज़रअंदाज़ किया। और जब वे इकट्ठा हुए तो तुम तैयार हो गए, और जब वे घबरा गए तो तुम आगे बढ़ गए। और जब वे जल्दी कर गए, तुमने सब्र किया, और जिन बातों को वे चाहते थे, उन्हें पूरा कर दिखाया। और उन्होंने तुम्हारे ज़रिये वह हासिल किया जिसकी उन्हें उम्मीद भी न थी। तुम काफ़िरों पर लगातार और सख़्त अज़ाब बनकर टूटते रहे। और मोमिनों के लिए सहारा और मज़बूत क़िला थे। ख़ुदा की क़सम, तुम उसकी नेमतों पर पैदा किए गए और उसी की नेमतों से कामयाब हुए।

व अह्ज़ता सवाबिग़हा व ज़हब्ता बि फ़ज़ाइलिहा लम तफ़लुल हुज्जतुक व लम यज़िग़ क़लबुक व लम तज़उफ़ बसीरतुक व लम तजबुन नफ़्सुक व लम तख़ुन कुन्ता कल जबलि ला तुहर्रिकुहुल अवासिफ़ व कुन्ता कमा क़ाला अमिनन नासु फ़ी सुहबतिका व ज़ाति यदिका व कुन्ता कमा क़ाला ज़ईफ़न फ़ी बदनिका क़विय्यन फ़ी अम्रिल्लाह मुतवाज़िअन फ़ी नफ़्सिका अज़ीमन इंदल्लाह कबीरन फ़िल अरज़ि जलीलन इंदल मोमिनीन लम यकुन ली अहदिन फ़ीका महमिज़ुन व ला लिक़ाइलिन फ़ीका मग़मज़ुन व ला ली अहदिन फ़ीका मतमअुन व ला ली अहदिन इंदका हवादा	और तुमने उसकी तमाम ख़ूबियों को समेट लिया और उसकी सारी फ़ज़ीलतें पा लीं। न तुम्हारी दलील कमज़ोर पड़ी और न तुम्हारा दिल टेढ़ा हुआ। न तुम्हारी समझ कमज़ोर हुई, न तुम्हारा हौसला टूटा, और न ही तुमने कभी ख़यानत की। तुम पहाड़ की तरह मज़बूत थे, जिसे आँधियाँ भी हिला न सकीं। और तुम वैसे ही थे जैसा कहा गया—लोग तुम्हारी संगत और तुम्हारे हाथों में अमानत से महफ़ूज़ रहते थे। और जैसा कहा गया—जिस्म में सादा, मगर अल्लाह के हुक्म में बेहद मज़बूत थे। ख़ुद अपने आप में विनम्र, लेकिन अल्लाह के नज़दीक बहुत महान। ज़मीन पर बड़े मक़ाम वाले और मोमिनों की नज़र में बहुत ऊँचे थे। तुममें किसी को कोई ऐब न मिला, और न ही किसी को तुम पर उंगली उठाने का मौक़ा। न किसी को तुमसे लालच था और न तुम किसी के साथ नाइंसाफ़ नरमी करते थे। कमज़ोर और दबा हुआ इंसान तुम्हारे पास ताक़तवर और इज़्ज़त वाला होता था, जब तक तुम उसका हक़ दिला न दो। और ताक़तवर और इज़्ज़त वाला भी तुम्हारे पास कमज़ोर और दबा हुआ होता था, जब

HindiDuas.ORG

अज़्ज़ईफ़ुज़ ज़लीलु इंदका क़विय्युन अज़ीज़ुन हत्ता तअख़ुज़ा लहू बिहक़्क़िही वल क़विय्यु लअज़ीज़ु इंदका ज़ईफ़ुन ज़लीलुन हत्ता तअख़ुज़ा मिन्हुल हक़्क़ वल क़रीबु वल बईदु इंदका फ़ी ज़ालिका सवाअन शानुका लहक़्क़ु वस्सिद्क़ु वर्रिफ़्क़ व क़ौलुका हुक्मुन व हत्मुन व अम्रुका हिल्मुन व हज़्मुन व रअयुका इल्मुन व अज़्मुन फ़ी मा फ़अल्ता व क़द नुहिजा बिका स्सबी़लु व सुह्हिला बिका लअसीरु व उत्फ़िअतिन्नीरानु वअतदला बिका दीनु व क़विया बिका लइस्लामु वल मोमिनून व सबक़्ता सब्क़न बईदन व अतअब्ता मन बादका तअबन शदीदन	तक तुम उससे दूसरों का हक़ वापस न ले लेते। तुम्हारी नज़र में इसमें क़रीबी और दूर वाला सब बराबर थे। तुम्हारी पहचान हक़, सच्चाई और नरमी थी। तुम्हारा हर क़ौल फ़ैसला और आख़िरी हुक्म होता था। और तुम्हारा हर अमल सब्र और मज़बूती से भरा होता था। और जो कुछ तुमने किया, वह इल्म और पुख़्ता इरादे से किया। तुम्हारे ज़रिये सही रास्ता साफ़ हुआ और मुश्किलें आसान बना दी गईं। तुम्हारे कारण फ़ितने बुझ गए, दीन सीधा हो गया, और इस्लाम व मोमिन मज़बूत हो गए। तुम बहुत आगे निकल गए और अपने बाद आने वालों को भारी मशक्क़त में डाल दिया। तुम रोए जाने से भी बुलंद हो, और तुम्हारी जुदाई का सदमा आसमान वालों के लिए भी बहुत बड़ा था। तुम्हारी मुसिबत ने तमाम लोगों को तोड़ कर रख दिया। बेशक हम अल्लाह ही के हैं और उसी की तरफ़ लौटने वाले हैं।

फ़ज़लल्ता अनिल बुकाइ व अज़ुमत रज़ीय्यतुक फ़िस्समाअ व हद्दत मुसीबतुकल अनाम फ़इन्ना लिल्लाहि व इन्ना इलैहि राजिऊन रज़ीना अनिल्लाहि क़ज़ाअहू व सल्लमना लिल्लाहि अम्रहू फ़वल्लाहि लम युसबिल मुसलिमून बिमिस्लिका अबदन कुन्ता लिल्मोमिनीन कहफ़न व हिस्नन व क़ुन्नतन रासिया व अलल काफ़िरीन ग़िलज़तन व ग़ैज़न फ़अल्हक़क़कल्लाहु बिनबिय्यिही वला हरमना अज्रका वला अज़ल्लना बादक	हम अल्लाह के फ़ैसले पर राज़ी हैं और उसी के हुक्म के आगे सर झुकाते हैं। अल्लाह की क़सम, मुसलमान कभी तुम जैसी हस्ती से महरूम नहीं हुए। तुम मोमिनों के लिए पनाह, क़िला और अडिग चोटी की तरह थे। और काफ़िरों पर सख़्ती और जलन बनकर छाए रहते थे।

अरबी

رَحِمَكَ اللهُ يَا أَبَا الْحَسَنِ

كُنْتَ أَوَّلَ الْقَوْمِ إِسْلاَماً وَأَخْلَصَهُمْ إِيمَاناً

وَأَشَدَّهُمْ يَقِيناً وَأَخْوَفَهُمْ لِلهِ

HindiDuas.org

وَأَعْظَمَهُمْ عَنَاءً وَأَحْوَطَهُمْ عَلَى رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ

وَآمَنَهُمْ عَلَى أَصْحَابِهِ وَأَفْضَلَهُمْ مَنَاقِبَ

وَأَكْرَمَهُمْ سَوَابِقَ وَأَرْفَعَهُمْ دَرَجَةً

وَأَقْرَبَهُمْ مِنْ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ

وَأَشْبَهَهُمْ بِهِ هَدْياً وَخُلْقاً وَسَمْتاً وَفِعْلاً

وَأَشْرَفَهُمْ مَنْزِلَةً وَأَكْرَمَهُمْ عَلَيْهِ

فَجَزَاكَ اللهُ عَنِ الإِسْلاَمِ وَعَنْ رَسُولِهِ وَعَنِ الْمُسْلِمِينَ خَيْراً.

قَوِيتَ حِينَ ضَعُفَ أَصْحَابُهُ

وَبَرَزْتَ حِينَ اسْتَكَانُوا

وَنَهَضْتَ حِينَ وَهَنُوا

وَلَزِمْتَ مِنْهَاجَ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ إِذْ هَمَّ أَصْحَابُهُ

وَكُنْتَ خَلِيفَتَهُ حَقّاً

لَمْ تُنَازِعْ وَلَمْ تُضْرَعْ

بِرُغْمِ الْمُنَافِقِينَ وَغَيْظِ الْكَافِرِينَ

وَكُرْهِ الحاسِدِينَ وَصِغَرِ الفاسِقِين.

فَقُمْتَ بِالأَمْرِ حِينَ فَشِلُوا

وَنَطَقْتَ حِينَ تَتَعْتَعُوا

وَمَضَيْتَ بِنُورِ اللهِ إِذْ وَقَفُوا

فَاتَّبَعُوكَ فَهُدُوا

وَكُنْتَ أَخْفَضَهُمْ صَوْتاً وَأَعْلاهُمْ قُنُوتاً

وَأَقَلَّهُمْ كَلاماً وَأَصْوَبَهُمْ نُطْقاً

وَأَكْبَرَهُمْ رَأْياً وَأَشْجَعَهُمْ قَلْباً

وَأَشَدَّهُمْ يَقِيناً وَأَحْسَنَهُمْ عَمَلاً وَأَعْرَفَهُمْ بِالأُمُورِ.

كُنْتَ وَاللهِ يَعْسُوباً لِلدِّينِ أَوَّلاً وَآخِراً:

الأَوَّلَ حِينَ تَفَرَّقَ النَّاسُ وَالآخِرُ حِينَ فَشِلُوا

كُنْتَ لِلْمُؤْمِنِينَ أَباً رَحِيماً إِذْ صارُوا عَلَيْكَ عِيالاً

فَحَمَلْتَ أَثْقالَ مَا عَنْهُ ضَعُفُوا

وَحَفِظْتَ مَا أَضاعُوا وَرَعَيْتَ مَا أَهْمَلُوا

HindiDuas.ORG

وَشَمَّرْتَ إِذْ اجْتَمَعُوا وَعَلَوْتَ إِذْ هَلَعُوا

وَصَبَرْتَ إِذْ أَسْرَعُوا وَأَدْرَكْتَ أَوْتَارَ مَا طَلَبُوا

وَنَالُوا بِكَ مَا لَمْ يَحْتَسِبُوا

كُنْتَ عَلَى الْكَافِرِينَ عَذَاباً صَبّاً وَنَهْباً

وَلِلْمُؤْمِنِينَ عَمَداً وَحِصْناً

فَطِرْتَ وَاللهِ بِنَعْمَائِهَا وَفُزْتَ بِحِبَائِهَا

وَأَحْرَزْتَ سَوَابِغَهَا وَذَهَبْتَ بِفَضَائِلِهَا

لَمْ تَفْلُلْ حُجَّتُكَ وَلَمْ يَزِغْ قَلْبُكَ

وَلَمْ تَضْعُفْ بَصِيرَتُكَ وَلَمْ تَجْبُنْ نَفْسُكَ وَلَمْ تَخُنْ

كُنْتَ كَالْجَبَلِ لاَ تُحَرِّكُهُ الْعَوَاصِفُ

.وَكُنْتَ كَمَا قَالَ: أَمِنَ النَّاسُ فِي صُحْبَتِكَ وَذَاتِ يَدِكَ

وَكُنْتَ كَمَا قَالَ: ضَعِيفاً فِي بَدَنِكَ قَوِيّاً فِي أَمْرِ اللهِ

مُتَوَاضِعاً فِي نَفْسِكَ عَظِيماً عِنْدَ اللهِ

كَبِيراً فِي الأَرْضِ جَلِيلاً عِنْدَ الْمُؤْمِنِينَ

HindiDuas.ORG

لَمْ يَكُنْ لِأَحَدٍ فِيكَ مَهْمِزٌ وَلَا لِقَائِلٍ فِيكَ مَغْمَزٌ

وَلَا لِأَحَدٍ فِيكَ مَطْمَعٌ وَلَا لِأَحَدٍ عِنْدَكَ هَوَادَةٌ.

الضَّعِيفُ الذَّلِيلُ عِنْدَكَ قَوِيٌّ عَزِيزٌ حَتَّىٰ تَأْخُذَ لَهُ بِحَقِّهِ

وَالْقَوِيُّ الْعَزِيزُ عِنْدَكَ ضَعِيفٌ ذَلِيلٌ حَتَّىٰ تَأْخُذَ مِنْهُ الْحَقَّ

وَالْقَرِيبُ وَالْبَعِيدُ عِنْدَكَ فِي ذٰلِكَ سَوَاءٌ.

شَأْنُكَ الْحَقُّ وَالصِّدْقُ وَالرِّفْقُ

وَقَوْلُكَ حُكْمٌ وَحَتْمٌ

وَأَمْرُكَ حِلْمٌ وَحَزْمٌ

وَرَأْيُكَ عِلْمٌ وَعَزْمٌ فِي مَا فَعَلْتَ

وَقَدْ نُهِجَ بِكَ السَّبِيلُ وَسُهِّلَ بِكَ الْعَسِيرُ

وَأُطْفِئَتِ النِّيرَانُ وَاعْتَدَلَ بِكَ الدِّينُ وَقَوِيَ بِكَ الْإِسْلَامُ وَالْمُؤْمِنُونَ

وَسَبَقْتَ سَبْقاً بَعِيداً وَأَتْعَبْتَ مَنْ بَعْدَكَ تَعَباً شَدِيداً

فَجَلَلْتَ عَنِ الْبُكَاءِ وَعَظُمَتْ رَزِيَّتُكَ فِي السَّمَاءِ

HindiDuas.org

وَهَدَّتْ مُصِيبَتُكَ الأَنامُ

فَإِنّا لِلّهِ وَإِنّا إِلَيْهِ راجِعُونَ

رَضِينا عَنِ اللّهِ قَضائَهُ وَسَلَّمْنا لِلّهِ أَمْرَهُ

.فَوَاللّهِ لَمْ يُصَبِ المُسْلِمونَ بِمِثْلِكَ أَبَداً

كُنْتَ لِلْمُؤْمِنِينَ كَهْفاً وَحِصْناً وَقُنَّةً راسِياً

وَعَلى الكافِرِينَ غِلْظَةً وَغَيْظاً

.فَأَلْحَقَكَ اللّهُ بِنَبِيِّهِ وَلا حَرَمَنا أَجْرَكَ وَلا أَضَلَّنا بَعْدَكَ